आरती
श्री महावीर स्वामी

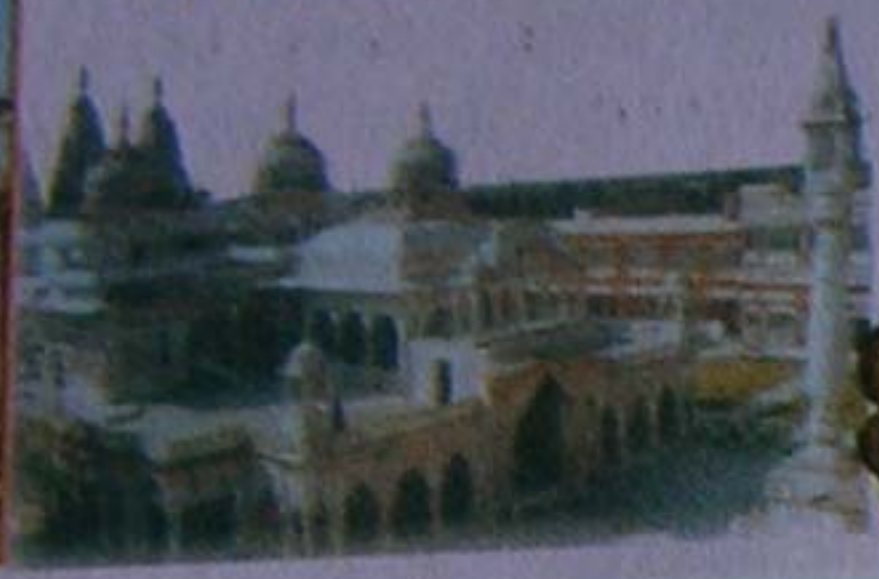

ॐ जय महावीर प्रभो, स्वामी जय महावीर प्रभु।
कुण्डलपुर अवतारी, त्रिशलानन्द विभो।। ॐ जय...

सिद्धारथ घर जन्में, स्वामी वैभव था भारी।
बाल ब्रह्मचारी व्रत, पाल्यो तपधारी।। ॐ जय...

आतम ज्ञान विरागी, समदृष्टि धारी।
माया मोह विनाशक, ज्ञान ज्योति जारि।। ॐ जय...

जग में पाठ अहिंसा, आपही विस्तारयौ।
हिंसा पाप मिटा कर, सुधर्म परिचारयौ।। ॐ जय...

यही विधि चांदनपुर में अतिशय दर्शायौ।
ग्वाल मनोरथ पूरयों, दूध गाय पायौ।। ॐ जय...

अमरचन्द को स्वपना, तुमने प्रभु दीना।
मन्दिर तीन शिखर का, निर्मित है कीना। ॐ जय...

जयपुर नृप भी तेरे, अतिशय के सेवी।
एक ग्राम तिन दीनों, सेवा हित यह भी।। ॐ जय...

जो कोई तेरे दर पर, इच्छा कर आवे।
मनवांछित फल पावै, संकट मिट जावे।। ॐ जय...

निश दिन प्रभु मन्दिर में जगमग ज्योति जरे।
हरि प्रसाद चरणों में, आनन्द मोद भरे।। ॐ जय...